RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

वर्ष- 12 अंक - 7

इंदौर प्रति मंगलवार , 13 मई 2025 से 19 मई 2025 तक

पृष्ठ - 8 मूल्य - 2 रू.

पाकिस्तान कश्मीर का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने में कामयाब रहा: उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था और पर्यटन को झटका दिया है, बल्कि पाकिस्तान को कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से उठाने का मौका भी दे दिया है। उन्होंने कहा कि इस हमले ने कई सालों की मेहनत को बर्बाद कर दिया है, जिसके तहत कश्मीर में पर्यटन और शांति बहाली की कोशिशें की जा रही थीं।

एनडीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले ने राज्य की अर्थव्यवस्था और कूटनीति के क्षेत्र में वर्षों की मेहनत को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह हमला ऐसे समय में हुआ जब कश्मीर के पर्यटन उद्योग ने वर्षों बाद रफ्तार पकड़ी थी, लेकिन अब सब कुछ फिर से ठहर गया है। उन्होंने कहा, हम एक ऐसे मोड़ पर आ गए हैं जहां हम कभी नहीं सोचे थे कि फिर लौटेंगे। यहां फिर से खूनखराबा है, पीड़ा है, उथल-पुथल है... सब कुछ बदल गया है, लेकिन कुछ भी नहीं बदला है।

जब उनसे पूछा गया कि इस बदलाव का असर जमीन पर कैसे दिखता है, तो उन्होंने कहा, इस समय घाटी को पर्यटकों से भरा होना चाहिए था। अर्थव्यवस्था को फल-फूलना चाहिए था, बच्चे स्कूलों में होते, एयरपोर्ट पर हर दिन 50-60 फ्लाइट्स उतरतीं। लेकिन अब घाटी खाली पड़ी है, स्कूल बंद हैं, हवाई अड्डा और एयरस्पेस दोनों बंद हैं।

कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाने की कोशिश

मुख्यमंत्री ने चिंता जताई कि पाकिस्तान ने एक बार फिर

जानबूझकर कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, जब मैं कहता हूं कि कुछ भी नहीं बदला है - तो इसका मतलब है कि पाकिस्तान ने, दुर्भाग्य से फिर से जम्मू और कश्मीर के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय बनाने में कामयाबी हासिल कर ली है। उन्होंने कहा, अमेरिका मध्यस्थ की भूमिका में खुद को शामिल करने के लिए उत्सुक है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जो संघर्षविराम अब तक किसी तरह से बना हुआ था, वह अब टूट चुका है। अब हम यह देखने को मजबूर हैं कि आज रात क्या होता है। उमर अब्दुल्ला ने याद करते हुए कहा कि तीन हफ्ते पहले तक पहलगाम का इलाका पर्यटकों से भरा हुआ था। वहां रौनक थी, जिंदगी थी। लेकिन फिर वह भयावह नरसंहार हो गया।

बैसारन में धार्मिक पहचान के आधार पर 26 लोगों की हत्या

22 अप्रैल को आतंकवादियों ने कश्मीर के सुंदर बैसारन मैदान में हमला कर दिया। इस हमले में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आतंकियों ने पहले धार्मिक पहचान की पुष्टि की और फिर गोलियां चलाईं। मारे गए लोगों में 25 पर्यटक थे और एक स्थानीय व्यक्ति – एक टट्टूवाला, जो पर्यटकों की जान बचाने की कोशिश कर रहा था। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने किया करारा जवाब हमले के कुछ दिन बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित 9 आतंकी शिविरों को निशाना बनाकर तबाह किया गया। इसके अगले दिन पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल हमले किए और सीमावर्ती इलाकों में तोपों से गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि, भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के एयरबेस, कमांड सेंटर, सैन्य ढांचे और एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया। इसके बाद चौथे दिन पाकिस्तान ने अपने कदम पीछे खींच लिए और हालात में अस्थायी शांति आई।

दिल्ली बजट सत्र का दूसरा सेशन नहीं होगा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा के बजट सेशन का दूसरा सत्र को फिलहाल रद्द कर दिया गया है। सचिवालय से आए पत्र में बताया गया है कि आगामी 13 और 14 मई को दिल्ली विधानसभा के इस सत्र को रद्द कर दिया गया है। हालांकि इसे लेकर कोई कारण नहीं बताया गया है। इससे पहले आज दिल्ली विधानसभा में सोलर पावर प्लांट की आधारशिला रखी गई। दिल्ली की असेंबली भी अब सूर्य उर्जा से रोशन होगी। दिल्ली सचिवालय से आए पत्र में लिखा है कि यह आपको सूचित करने के लिए है कि दिल्ली की आठवीं विधानसभा के द्वितीय सत्र (बजट सत्र) की 13 मई 2025 (मंगलवार) और 14 मई 2025 (बुधवार) को होने वाली बैठक,जो पहले 13 मई, 2025 (मंगलवार) और 14 मई, 2025 (बुधवार) को आयोजित होने वाली थी,रद्द कर दी गई है।दिल्ली विधानसभा को जल्द ही सौर्य उर्जा का लाभ मिलने वाला है। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि आने वाले 45 दिनों के अंदर दिल्ली असेंबली सौर्य उर्जा से रोशन होगी। इसके बाद यहां का बिजली बिल भी जीरो हो जाएगा। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि अभी महीने का 15 लाख बिजली का बिल आता है और सालाना 1.75 करोड़ है।

दिल्ली पुलिस ने स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को शिक्षा प्रणाली से जोड़ने के लिए 'नयी दिशा' पहल शुरू की

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या कम करने और स्कूल न जाने वाले बच्चों को शिक्षा प्रणाली में वापस लाने के मकसद से 'नई दिशा - ए पाथ बैक टू लर्निंग' नाम से नई पहल शुरू की है। अधिकारियों ने बताया कि इस पहल के तहत पुलिस कर्मी उन बच्चों के घर जा रहे हैं जो स्कूल छोड़ चुके हैं। पुलिस कर्मी उनके घर जाकर बच्चों एवं उनके परिवार से सीधे संपर्क कर रहे हैं, ताकि स्कूल छोड़ने के कारणों का पता लगाया जा सके और उन्हें फिर से अपनी पढ़ाई शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम दिल्ली पुलिस की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि हर बच्चे को शिक्षा का दूसरा मौका दिया जाए। डीसीपी (ईस्ट) अभिषेक धानिया ने कहा, ''यह कदम सिर्फ कानून लागू करने से कहीं ज्यादा है। यह मार्गदर्शन और विश्वास बनाने के बारे में है। पुलिस अधिकारी स्थानीय स्कूलों, गैर सरकारी संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ कॉर्डिनेट कर विभिन्न प्रकार की सहायता सेवाएं प्रदान कर रहे हैं - जिनमें दाखिले की सुविधा से लेकर इमोशनल काउंसलिंग और शैक्षणिक सहायता प्रदान करना शामिल है। डीसीपी ने बताया कि आर्थिक तंगी, घरेलू समस्याओं या व्यक्तिगत असफलताओं के कारण स्कूल छोड़ चुके कई छात्र अब क्लासों में वापस लौटने लगे हैं। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ दरवाजे नहीं खटखटा रहे हैं, बल्कि उन्हें खोल भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम पुलिसिंग में बदलाव का प्रतीक है - सुरक्षा से सशक्तिकरण की ओर। इस पहल की सफलता को देखते हुए दिल्ली पुलिस इसे अन्य जिलों में भी बढ़ाने की योजना बना रही है।

नेशनल हाईवे के ग्राम निमरानी बायपास रोड़ पर

अज्ञात वाहन ने पिकअप वाहन को मारी टक्कर पिकअप वाहन चालक गंभीर घायल,पहुंचाया अस्पताल

शिवकुमार राठौड़ कसरावद

कसरावद। खलटाका पुलिस चौकी क्षेत्र के मुंबई आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं वही लगातार दुर्घटनाएं होती जा रही है वही सोमवार को ग्राम निमरानी बायपास रोड़ पर सुबह करीब पांच बजे बनारस ढाबे के पास एक पिकअप वाहन को टक्कर मार दी जिससे पिकअप वाहन गंभीर रूप से घायल हो गया था।सूचना मिलते ही हंड्रेड डायल से सैनिक राजेंद्र मंडलोई और पायलेट जगदीश भालसे मौके पर पहुंचे और पिकअप वाहन चालक को गंभीर हालत में एंबुलेस की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया था।घायल व्यक्ति का नाम सुनील निवासी मानपुर बताया जा रहा है जो की पिकअप वाहन का चालक है। गाड़ी में कुछ माल नहीं था खाली थी कोई अज्ञात वाहन टक्कर मार के चला गया था वही पिकअप वाहन आगे से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है।नेशनल हाईवे पर लाइट की उचित व्यवस्था नहीं होने से भी वाहन चालक हादसे का शिकार हो जाते हैं अभी एक सप्ताह पूर्व ही उज्जैन से चितावल की और जा रही कार भी अंधेरा होने के कारण डिवाइडर से टकराकर पलटी खा गई थी जिसमे छह लोग घायल हुए थे वही चौराहों पर अंधेरा होने के कारण भी लगातार हादसे हो रहे हैं।इन समस्यायों को लेकर अधिकारियों सहित जनप्रतिनिधियों को भी अवगत करवा दिया गया है।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

प्रखर गार्डन के सामने से एक मोटरसाइकिल चोरी

गोटेगांव नगर में स्थित प्रखर गार्डन से एक अज्ञात चोर द्वारा मोटरसाइकिल चोरी कर फरार हो गया जिसकी शिकायत मोटरसाइकिल मालिक ने थाना गोटेगांव में की है आवेदक ने बताया कि मैं राजेंद्र पटेल पिता देवेंद्र पटेल निवासी ग्राम सालीवाडा में रहता हूं बीती रात को मे अपने पिता देवेंद्र पटेल के नाम की मोटरसाइकिल जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर एमपी 49 बी 8195 है उसको लेकर रात को गोटेगांव में परिवार की शादी शामिल होने प्रखर गार्डन आया था,तभी मोटरसाइकिल गार्डन के अंदर खड़ी कर शादी कार्यक्रम में सम्मिलित होने अंदर चला गया और जब घर जाने के लिए वापस आया तो देखा की मोटरसाइकिल वहां पर नहीं थी जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया था,उसमें अगर कोई अन्य घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी मेरी नहीं होगी आवेदक राजेंद्र पटेल ने थाना गोटेगांव में शिकायत दर्ज कराकर मोटरसाइकिल चोर सहित पड़कर मोटरसाइकिल दिलाने की मांग की है।

बुद्ध पूर्णिमा पर गृहे गृहे गायत्री अभियान के तहत सोनखेड़ी चेतना केंद्र के 47 ग्रामों के 1810 ग्रामों में यज्ञ हुआ सम्पन्न

शिवकुमार राठौड़

कसरावद- कसरावद.अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा पूरे विश्व में एक साथ एक समय पर घर घर में गायत्री यज्ञ चलाए जा रहे अभियान गृहे गृहे गायत्री महायज्ञ अभियान के तहत सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में तहसील कसरावद के ग्राम ग्राम में गायत्री अभियान चलाया गया था। जिसमे ग्राम सोनखेड़ी चेतना केंद्र के 47 ग्रामों के 1810 घरों में यज्ञ पूर्ण करवाया गया।यज्ञ को लेकर पूर्व से गांव गांव तैयारिया करवाई जा रही थी जिसमे सभी ग्रामों में परिजनों को आपने अपने घरों में कर्मकांड सहित मोबाइल पंडित के माध्यम से यज्ञ करवाया जाना था।यह यज्ञ पूरे विश्व में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशन में विश्व कल्याण हेतु घर घर करवाया गया।यज्ञ का समय पूरे देश में सुबह नौ बजे से बारह बजे के बीच में रखा गया था।ग्राम मगरखेड़ी पीपलझोपानिमबैड़ी लालतलाई रामपुरा मुकुंदपुरा ओरंगपुरा सत्राटी जरोली मालपुरा ग्राम भोइंदा सहित क्षेत्र के सभी घरों में यज्ञ पूर्ण हुआ। यह अभियान दुनिया के 100 देशों में 25 लाख घरों में एक साथ एक समय पर गायत्री यज्ञ के माध्यम से सम्पन्न हुआ।सारे देश में किए जा रहे इस पावन यज्ञ द्वारा वातावरण एंव प्रकृति का शोधन होगा साथ ही सारे संसार में सुख शांति समृद्धि स्थापित होगी।

परीक्षा में असफलता और पारिवारिक दबाव ने ली गंभीर मोड़, रतलाम में छात्र ने आत्महत्या का किया प्रयास, तीसरी मंजिल से कूदने का CCTV फुटेज वायरल

रतलाम। शहर में एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जो न केवल शिक्षा व्यवस्था की जटिलताओं को उजागर करती है, बल्कि पारिवारिक दबाव और मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। 17 वर्षीय एक किशोर छात्र ने परीक्षा में असफल होने के बाद अपने ही घर की तीसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। यह घटना माणक चौक थाना क्षेत्र की है और अब इसका सीसीटीवी फुटेज सामने आ चुका है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो समाज के सामने एक बेहद कड़वा लेकिन आवश्यक प्रश्न खड़ा करता है ङ्क क्या हम अपने बच्चों की विफलता को इतनी कठोरता से ले रहे हैं कि वे जीवन से हार मानने पर मजबूर हो जाएं? जानकारी के अनुसार, छात्र ने इस वर्ष दूसरी बार दसवीं की परीक्षा दी थी। 6 मई को आए परिणाम में उसे तीन विषयों ङ्क अंग्रेजी, संस्कृत और विज्ञान ङ्क में सप्लीमेंट्री मिली थी। परीक्षा परिणाम से निराश छात्र को जब उसके बड़े भाई ने डांटा और कहा कि अगर पढ़ाई में मन नहीं लगता तो उसे काम पर जाना चाहिए, तब यह बात उसे इतनी बुरी लगी कि उसने अगले ही दिन, 7 मई की रात लगभग 11ः30 बजे, घर की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। उस समय घर में मौजूद परिजनों ने गंभीर हालत में उसे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद रात 2 बजे उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां से उसकी हालत को देखते हुए रतलाम से इंदौर एमवाय हॉस्पिटल भेजा गया। इसके बाद परिजन उसे एक निजी अस्पताल ले गए, जहां वह अब भी आईसीयू में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहा है। इस घटना ने पूरे शहर को हिला कर रख दिया है। स्कूल, शिक्षक, और सामाजिक संगठन अब इस बात पर चिंता जता रहे हैं कि कैसे एक असफलता ने एक किशोर को ऐसा आत्मघाती कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि एक ऐसा ढांचा है जो जीवन जीने की प्रेरणा और समझ भी देता है। लेकिन जब यह ढांचा दबाव, अपेक्षा और भय का रूप ले लेता है, तो परिणाम घातक हो सकते हैं। इस छात्र की स्थिति बताती है कि हम अपने बच्चों से संवाद करने में, उन्हें समझने में और असफलता के प्रति उन्हें मानसिक रूप से तैयार करने में चूक रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज में देखा गया है कि छात्र बेहद शांत भाव से ऊपर चढ़ता है और बिना किसी झिझक के छलांग लगाता है। यह दृश्य दिल दहला देने वाला है और इस बात का प्रतीक है कि अंदर ही अंदर वह कितना टूटा हुआ और अकेला महसूस कर रहा था। यह सिर्फ एक छात्र की कहानी नहीं, बल्कि हर उस किशोर की कहानी है जो अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता और डर में जी रहा है। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ उनके मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। स्कूलों और परिवारों को यह समझने की जरूरत है कि असफलता अंत नहीं, बल्कि एक सीखने का अवसर होती है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी बच्चा सिर्फ अंकों के आधार पर अपनी कीमत न आंकने लगे और जिंदगी को यूं अधूरा छोड़ने की सोच न सके।

हीरा नगरी पन्ना को ऐतिहासिक सौगात: मध्य प्रदेश सरकार बनाएगी अत्याधुनिक डायमंड पार्क, अब यहीं तराशे जाएंगे कीमती हीरे

पन्ना। भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में अपने बेशकीमती और उच्च गुणवत्ता वाले हीरों के लिए मशहूर है, अब एक नए युग में प्रवेश करने जा रहा है। मध्य प्रदेश की मोहन सरकार ने पन्ना जिले को हीरा व्यवसाय के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य सरकार ने घोषणा की है कि पन्ना में 12 करोड़ 64 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक डायमंड पार्क की स्थापना की जाएगी, जो न केवल जिले के आर्थिक परिदृश्य को बदलेगा, बल्कि यहां के पारंपरिक हीरा मजदूरों और व्यवसायियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा।

आज तक पन्ना से निकले हीरों को सूरत, जयपुर या अन्य महानगरों में ले जाकर तराशा जाता रहा है। इस प्रक्रिया में पन्ना के तुआदारों यानी हीरा खोजने वाले मजदूरों को उनके परिश्रम का वास्तविक मूल्य नहीं मिल पाता था। उन्हें हीरे की असली कीमत से कहीं कम लाभ मिलता था क्योंकि तराशने और निर्यात की पूरी श्रृंखला से वे कटे हुए रहते थे। लेकिन अब डायमंड पार्क की स्थापना से यह तस्वीर पूरी तरह बदलने वाली है। इस पार्क में हीरों की न केवल तराश, घिसाई और कटिंग होगी, बल्कि उनके मूल्य संवर्धन से जुड़े अन्य तकनीकी और विपणन पहलुओं को भी इसी स्थान पर विकसित किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए प्रशासन ने पन्ना जिले के जनकपुर गांव में लगभग दस हेक्टेयर भूमि आरक्षित कर दी है। यह क्षेत्र आगामी समय में आधुनिक बुनियादी ढांचे और विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित होगा। यहां हीरा व्यवसाय से जुड़े उद्यमियों को बिजली, पानी और सड़क जैसी आवश्यक सुविधाएं प्राथमिकता से उपलब्ध कराई जाएंगी। पन्ना कलेक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि भूमि चिन्हांकन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है और अब शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। यह परियोजना न केवल स्थानीय हीरा उद्योग को मजबूती देगी, बल्कि युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेगी। इसके साथ ही, यह उम्मीद की जा रही है कि पन्ना भविष्य में भारत का दूसरा सूरत बनकर उभरेगा। डायमंड पार्क का निर्माण स्थानीय पारंपरिक तुआदारों के लिए भी आशा की नई किरण लेकर आया है। वर्षों से जिस मेहनत को पहचान नहीं मिली, अब उसे वह स्थान और सम्मान मिल सकेगा जिसकी वह हकदार है। इसके साथ ही, इस कदम से पन्ना में हीरे के उत्खनन, प्रसंस्करण और विपणन की संपूर्ण श्रृंखला एक ही स्थान पर विकसित हो सकेगी। इससे न केवल राजस्व में वृद्धि होगी, बल्कि हीरे की चोरी और अवैध व्यापार पर भी अंकुश लगेगा। पन्ना की पहचान अब केवल कच्चे हीरे के उत्पादन केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि एक परिपूर्ण हीरा उद्योग के रूप में स्थापित होगी। राज्य सरकार की इस दूरदर्शी पहल से जहां एक ओर पन्ना का गौरव और बढ़ेगा, वहीं दूसरी ओर यह परियोजना समूचे मध्य भारत के आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी। इस ऐतिहासिक पहल के माध्यम से पन्ना की मिट्टी से निकलने वाला हर हीरा अब न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए चमकदार मिसाल बनकर सामने आएगा।

भारत-पाक तनाव के बीच ग्वालियर एयरफोर्स स्टेशन की सुरक्षा में चूक, लापरवाही पर पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

भोपाल। जब देश की सीमाओं पर हालात तनावपूर्ण हों और भारत-पाक संबंधों में टकराव की स्थिति बनी हो, तब आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था की सजगता और तत्परता सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे समय में ग्वालियर जैसे रणनीतिक शहर में स्थित एयरफोर्स स्टेशन की सुरक्षा में लापरवाही किसी भी स्तर पर अस्वीकार्य मानी जाएगी। लेकिन दुर्भाग्य से ठीक इसी समय शहर की पुलिस व्यवस्था से जुड़ी एक गंभीर चूक सामने आई है, जो न केवल प्रशासनिक उदासीनता का संकेत देती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि कुछ सुरक्षा कर्मी अपने कर्तव्यों को लेकर कितने असंवेदनशील हैं। घटना देर रात की है, जब ग्वालियर एसएसपी ने अचानक एक सुरक्षा जांच अभियान चलाया। रात 1 बजकर 40 मिनट पर रिस्पांस टाइम चेक करने के लिए महाराजपुरा थाना क्षेत्र में तैनात पुलिस बल को तत्काल रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए। यह जांच एक तरह से मॉकड्रिल थी, जो इस बात को परखने के लिए की गई थी कि अगर एयरफोर्स स्टेशन जैसी अति संवेदनशील जगह पर कोई आकस्मिक घटना घटती है तो पुलिस बल कितनी तेजी और कुशलता से वहां पहुंच सकता है। इस आपात आदेश के बाद 78 पुलिसकर्मी निर्धारित समय में थाने पहुंचने में सफल रहे, जिससे यह संकेत मिला कि अधिकांश बल सतर्क था। लेकिन इसी दौरान 13 पुलिसकर्मी ऐसे रहे जो समय पर नहीं पहुंच पाए। इससे अधिक गंभीर बात यह रही कि तीन पुलिसकर्मी न केवल देर से पहुंचे, बल्कि उनकी प्रतिक्रिया और लापरवाही इतनी गंभीर मानी गई कि उन्हें तुरंत लाइन अटैच कर दिया गया। इसके साथ ही 13 को कारण बताओ नोटिस थमाया गया है और 6 पुलिसकर्मियों को परनिंदा की सजा भी दी गई है। यह लापरवाही इसलिए और ज्यादा चिंताजनक है क्योंकि जिस एयरफोर्स स्टेशन की सुरक्षा के लिए ये मॉकड्रिल की गई थी, वह न केवल ग्वालियर बल्कि पूरे मध्य भारत की वायु सुरक्षा प्रणाली का एक अहम हिस्सा है। यहां कई महत्वपूर्ण सैन्य गतिविधियां होती हैं और किसी भी तरह की चूक भारी नुकसान पहुंचा सकती है। इसीलिए जब देश के दुश्मन सीमा पार से संभावित हमलों की योजना बना सकते हैं, तब आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को शत-प्रतिशत तैयार रहना चाहिए। एसएसपी का यह कदम निश्चित रूप से प्रशंसनीय है क्योंकि उन्होंने खुद अपनी टीम की तत्परता की जांच की और दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की। लेकिन यह घटना इस बात का भी प्रमाण है कि हमारी आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था में कहीं न कहीं ढील है और उसे सुधारने की तत्काल आवश्यकता है। यह सवाल भी अब खड़ा हो रहा है कि क्या ऐसी मॉकड्रिल केवल एक बार होनी चाहिए या इसका नियमित रूप से आयोजन कर पुलिसकर्मियों की सजगता को परखा जाना चाहिए।

इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि अब सिर्फ बॉर्डर पर ही नहीं, बल्कि देश के भीतर भी सतर्कता की उतनी ही आवश्यकता है। ग्वालियर जैसे शहर, जहां सैन्य प्रतिष्ठान मौजूद हैं, वहां की पुलिस और प्रशासन को हमेशा अलर्ट मोड में रहना चाहिए। अगर सुरक्षा बलों के बीच एकता, समन्वय और समयबद्धता नहीं होगी, तो संभावित खतरे का जवाब देना मुश्किल हो जाएगा। इस घटना के बाद संभवतः प्रदेश भर में अन्य जिलों को भी चेतावनी मिल गई है कि किसी भी तरह की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन की ओर से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि सभी थाना प्रभारियों को नियमित तौर पर सुरक्षा समीक्षा और मॉकड्रिल के आदेश दिए जाएं, जिससे ऐसी स्थिति फिर दोहराई न जाए।

इंदौर का प्राणी संग्रहालय बनेगा देश का पहला 'जीरो वेस्ट' चिड़ियाघर, कचरे का प्रबंधन होगा पूरी तरह से परिसर के भीतर

इंदौर। शहर का प्राणी संग्रहालय देश का पहला चिड़ियाघर बनने जा रहा है, जहां कचरे का प्रबंधन पूरी तरह से परिसर के भीतर ही किया जाएगा। इस अनोखी पहल का उद्देश्य न केवल चिड़ियाघर को स्वच्छ और टिकाऊ बनाना है, बल्कि इसे एक प्रेरणा केंद्र के रूप में स्थापित करना है, जो अन्य प्राणी संग्रहालयों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करेगा। नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने इस योजना के तहत प्राणी संग्रहालय का दौरा किया और अधिकारियों तथा विशेषज्ञों के साथ इस दिशा में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्राणी संग्रहालय में उत्पन्न होने वाले विभिन्न प्रकार के कचरे, जैसे खाद्य अपशिष्ट, बागवानी अपशिष्ट और सूखा कचरा, को परिसर के भीतर ही प्रभावी तरीके से निस्तारित किया जाएगा। इसके लिए विशेष तौर पर पीट बनाए जाएंगे, जो कचरे को निपटाने के काम आएंगे। साथ ही, नाडेप पीट तकनीक का उपयोग करके ग्रीन वेस्ट से खाद बनाई जाएगी, जिसका उपयोग चिड़ियाघर के भीतर बागवानी के लिए किया जाएगा। वहीं, सूखे कचरे को सात

अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर पुनर्चक्रण के लिए भेजा जाएगा, जिससे रिसाइक्लिंग की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी होगी। गोदरेज प्रोडक्ट्स लिमिटेड इस पहल को कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (छ्रस्क्र) के तहत समर्थन प्रदान करेगा, जबकि फीडबैक फाउंडेशन चिड़ियाघर में स्वच्छता कर्मियों को कचरा प्रसंस्करण और उपचार के लिए प्रशिक्षण और निगरानी देने में मदद करेगा। आयुक्त श्री वर्मा ने इस परियोजना के महत्व पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम इंदौर को स्वच्छता के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि दिलाएगा। इस पहल के तहत, आगंतुकों को वेस्ट प्रोसेसिंग की प्रक्रिया को देख सकेंगे, जिससे उन्हें स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

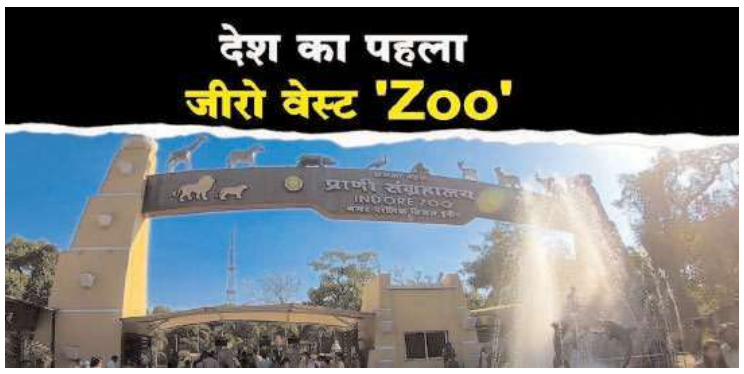

भारतीय ब्रह्मोस मिसाइल के निशाने पर था पाकिस्तान का परमाणु बंकर? वैज्ञानिक के दावे से सोशल मीडिया पर मची खलबली, भूकंप को बताया रहस्यमय संकेत

इंदौर। वैज्ञानिक राम श्रीवास्तव द्वारा किया गया एक दावा इन दिनों सोशल मीडिया पर तीखी बहस और अटकलों का विषय बना हुआ है। श्रीवास्तव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के ज़रिए यह सनसनीखेज दावा किया है कि भारत की ओर से ब्रह्मोस मिसाइल का लक्ष्य पाकिस्तान के परमाणु बंकरों की ओर निर्धारित किया गया था। उन्होंने दावा किया कि इस निशानदेही के ठीक उसी समय पाकिस्तान में 4.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसका केंद्र सरगोधा के समीप वही क्षेत्र था जहां पर कथित तौर पर परमाणु हथियारों के भूमिगत भंडार स्थित हैं। राम श्रीवास्तव के अनुसार यह केवल एक सामान्य भूगर्भीय घटना नहीं, बल्कि किसी बड़े सैन्य घटनाक्रम का संकेत हो सकता है। उनका कहना है कि यह संयोग मात्र नहीं है कि जब ब्रह्मोस मिसाइल की दिशा पाकिस्तान के उस इलाके की ओर इंगित की गई, तभी वहां एक असामान्य भूकंपीय हलचल दर्ज होती है। उन्होंने इस भूकंप को रहस्यमय बताया और आशंका जताई कि कहीं यह किसी छिपे सैन्य परीक्षण, टारगेट लॉक या दुर्घटनावश हुए विस्फोट का परिणाम तो नहीं था? हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह उनकी व्यक्तिगत राय है और इस पर भू-वैज्ञानिकों, रक्षा विशेषज्ञों और खुफिया एजेंसियों को विस्तृत जांच करनी चाहिए। गौरतलब है कि यह भूकंप 9 और 10 मई की दरमियानी रात को पाकिस्तान के कई हिस्सों में महसूस किया गया था, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 मापी गई। इसका केंद्र भूगर्भीय मापन के अनुसार 10 किलोमीटर की गहराई में था और इसका अक्षांश 29.67 और देशांतर 66.10 दर्ज किया गया, जो भौगोलिक रूप से पाकिस्तान के बलूचिस्तान इलाके के पास आता है। यह वही क्षेत्र है जिसे कई बार पाकिस्तानी रणनीतिक परमाणु ठिकानों के संभावित ठिकानों में गिना गया है। इस दावे के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। कुछ लोगों ने इसे पूरी तरह से कपोल-कल्पना और %कोरी थ्योरी% कहकर नकारा है, तो वहीं कुछ लोगों ने इसे बेहद गंभीर मामला मानते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मसला बताया है। कई यूजर्स ने सवाल उठाया है कि क्या भारत ने वाकई कोई गुप्त सैन्य तैयारी की थी या यह केवल एक भ्रामक विश्लेषण है? अब तक भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय, या किसी आधिकारिक वैज्ञानिक संस्था की ओर से राम श्रीवास्तव के इस दावे पर कोई पुष्टि या खंडन नहीं किया गया है। हालांकि, भारत की सैन्य नीति %नो फर्स्ट यूज़% यानी पहले परमाणु हमला न करने की स्पष्ट रणनीति पर आधारित रही है और ऐसी किसी भी गतिविधि की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के दावे अगर बिना पुष्टि के सार्वजनिक किए जाते हैं, तो इससे कूटनीतिक संबंधों पर असर पड़ सकता है और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। साथ ही, यह मामला भले ही एक स्वतंत्र वैज्ञानिक की निजी राय के तौर पर देखा जाए, लेकिन इसके पीछे की वास्तविकता जानने के लिए ठोस जांच की आवश्यकता है, ताकि सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को रोका जा सके और लोगों को तथ्यपरक जानकारी मिल सके।

होलकर स्टेडियम को फिर मिली बम धमकी, 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने की चेतावनी से मचा हड़कंप, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर

इंदौर। होलकर स्टेडियम को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी दी गई है, जिससे शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। रविवार को एक बार फिर स्टेडियम को बम से उड़ाने का धमकी भरा ईमेल मिला, जिसके बाद पुलिस और खुफिया एजेंसियों में हड़कंप मच गया। ईमेल में साफ तौर पर चेतावनी दी गई कि ÷समय रहते स्टेडियम को खाली करवा लिया जाए, वरना बम ब्लास्ट हो जाएगा।÷ यह धमकी ऐसे समय आई है जब दो दिन पहले ही इसी स्टेडियम को 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम लेकर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। जैसे ही यह जानकारी तुकोगंज थाने को मिली, तत्काल बम निरोधक दस्ते (क्चष्द्बस्ह्वढ्डस्न) और डॉग स्क्वॉड को स्टेडियम भेजा गया। टीमों ने स्टेडियम के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। पूरे परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया गया और सभी संदिग्ध वस्तुओं की जांच की गई। इस बार भी अभी तक कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है, लेकिन प्रशासन कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता। इसी वजह से सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है। यह लगातार दूसरी बार है जब स्टेडियम को इस तरह की धमकी मिली है। पहली धमकी में %ऑपरेशन सिंदूर% नामक एक कथित अभियान को तत्काल बंद करने की चेतावनी दी गई थी। धमकी में लिखा गया था कि यदि भारत इस अभियान को नहीं रोकेगा तो होलकर स्टेडियम को उड़ा दिया जाएगा। उस समय भी चार घंटे तक बम स्क्वॉड ने तलाशी अभियान चलाया था लेकिन कुछ बरामद नहीं हुआ। अब दूसरी धमकी में लिखा गया है कि ÷इस बार कोई चूक न हो, समय रहते स्टेडियम को बचा लें, नहीं तो बड़ा धमाका होगा।÷ इस धमकी ने सुरक्षा एजेंसियों को पूरी तरह से सतर्क कर दिया है। पुलिस और खुफिया एजेंसियां इसे केवल अफवाह नहीं मान रही हैं, बल्कि गंभीरता से जांच कर रही हैं। साइबर सेल ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुट गई है। फिलहाल पुलिस अधिकारी यह कह रहे हैं कि जांच सर्वोच्च प्राथमिकता पर की जा रही है और जल्द ही धमकी देने वाले की पहचान कर ली जाएगी। इस पूरे घटनाक्रम के चलते स्टेडियम और आसपास के क्षेत्रों में आमजन में भय का माहौल है। प्रशासन ने सभी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और तकनीकी टीमें भी सर्वर और नेटवर्क ट्रेसिंग में लगी हैं ताकि इस ईमेल का स्रोत खोजा जा सके। अगर यह किसी आतंकी गतिविधि से जुड़ा है, तो यह एक बड़े खतरे का संकेत हो सकता है। होलकर स्टेडियम देश के प्रमुख खेल परिसरों में से एक है, जहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ-साथ अनेक आयोजनों का आयोजन होता है। ऐसे में लगातार मिल रही धमकियों ने सुरक्षा की दृष्टि से नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। प्रशासन इस मामले में जल्द खुलासा कर लोगों को राहत देने की कोशिश कर रहा है।

लायंस क्लब सनावद स्नेह द्वारा विश्व मातृ दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

आशीष शर्मा

सनावद-लायंस क्लब सनावद स्नेह द्वारा विश्व मातृ दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लायंस क्लब की जीईटी कॉर्डिनेटर अनिता भागचंद जैन,अनुपमा वर्मा,मधु चौहान,अनिता चौधरी,भारती परिहार और माया मंडलोई ने ओंकारेश्वर के वृद्धाश्रम में निवासरत माताओं को साड़ियां और फल भेंट किए। लायन सदस्यों ने वृद्ध माताओं के साथ केक काटकर अपनी खुशियां साझा कीं और गीत गाए।वृद्ध माताओं ने गर्मजोशी के साथ लायन सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर अनिता जैन ने कहा कि एक मां ही परिवार को संपूर्णता प्रदान करती है। जिस परिवार में मां प्रसन्न रहती है,उस परिवार पर निरंतर ईश्वर के आशीर्वाद की वर्षा होती है। अनुपमा वर्मा ने कहा कि नारी ही सृष्टि का आधार है।इसीलिए भारतीय संस्कृति में नारी एक मां के रूप में पूज्य मानी गई है। मधु चौहान ने कहा कि प्रत्येक मां अपनी संतान को निःस्वार्थ प्रेम देती है और परिवार को एक सूत्र में

बांधे रखती है। अनिता चौधरी ने कहा कि वृद्धाश्रम की माताओं के बीच विश्व मातृ दिवस मनाना बड़े ही सौभाग्य की बात है। माताओं का स्नेह पाकर हम सब अभिभूत हैं। भारती परिहार ने कहा कि एक मां अपने त्याग,धैर्य और सहनशीलता से परिवार को सहेजती है। माया मंडलोई ने कहा कि मां की मौजूदगी से ही परिवारों में रौनक और खुशहाली होती है। अंत में सभी सदस्यों ने वृद्ध माताओं के चरण स्पर्श किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अख़बार

प्लास्टिक पर बैन के 3 साल... अभी ही खुलेआम हो रहा इस्तेमाल

देश की राजधानी में ही बुरा हाल

नईदिल्ली, एजेंसी। सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन लगे लगभग तीन साल हो गए हैं। लेकिन अब भी इस इस्तेमाल राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश के ज्यादातर शहरों में खुलेआम हो रहा है। रेहड़ी-पटरियों, मंडियों के अलावा दुकानों, शोरूमों और रेस्टोरेंट्स में भी इन्हें देखा जा सकता है। जुलाई 2022 में लगे बैन के बाद कुछ महीनों तक इसका हल्का असर दिखा था, लेकिन अब एक बार फिर पहले वाली स्थिति नजर आ रही है। प्लास्टिक स्टिक वाले ईयर बड, बलून की प्लास्टिक स्टिक, कैंडी की प्लास्टिक स्टिक, कटलरी जैसे चम्मच, ग्लास, स्ट्रॉ आदि समेत 19 आइटम बैन हुए थे। पूनम गौड़ की स्पेशल रिपोर्ट-

दिल्ली के करोल बाग, सरोजनी नगर, लाजपत नगर, राजौरी गार्डन, कनॉट प्लेस, चांदनी चौक से लेकर लोकल मार्केट तक में इन प्रतिबंधित सामानों को इस्तेमाल होते देखा जा सकता है। एक्सपर्ट के अनुसार, न तो एसयूपी के प्रतिबंधित आइटम पर बैन लागू हो रहा है, न ही इनके प्रोडक्शन पर प्रभावी रोक लगी है। छोटे व्यापारियों के लिए बैन हुए आइटम के सस्ते विकल्प भी अब तक उपलब्ध नहीं हैं। पॉलिथीन को छोड़ भी दें तो इन मार्केट में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक की कटलरी तक बड़ी संख्या में नजर आ रही है।

बैन के बाद क्या हुई कार्रवाई

राजधानी में अर्बन लोकल बॉडी और डीपीसीसी (दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड) इस बैन को एनफोर्स कर रहा है। एक अधिकारी के अनुसार, मार्च 2023 से मई 2024 तक प्रतिबंधित एसयूपी के सामानों के इस्तेमाल के लिए 449 चालान किए गए। यह चालान लोकल अर्बन बॉडी ने किए। इसके तहत 14.16 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। डीपीसीसी की टीमों ने इस दौरान रूल तोड़ने वालों पर 1.49 करोड़ का जुर्माना लगाया गया। इसमें 48 एसयूपी मैनुफैक्चरर्स भी शामिल हैं। इस दौरान टीमों ने करीब 4540 यूनिट्स का निरीक्षण किया।

इंडस्ट्रियल एरिया में जांच के आदेश- एसयूपी को लेकर एनजीटी ने सभी अथॉरिटीज को नरेला इंडस्ट्रियल एरिया और इंडस्ट्रीज के निरीक्षण के आदेश दिए हैं। उन इंडस्ट्रीज को सील करने को कहा गया है, जो प्रतिबंधित एसयूपी के आइटम बना रही हैं। साथ ही इसकी स्टेटस रिपोर्ट भी चार हफ्ते में सब्मिट करने को कहा है। टॉक्सिक लिंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिबंधित एसयूपी के आइटम का इस्तेमाल राजधानी के 88 प्रतिशत स्टोर्स और मार्केट में हो रहा है। यह स्टडी पांच शहरों दिल्ली के अलावा बेंगलुरु, मुंबई, ग्वालियर और गुवाहाटी में की गई थी।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

इंडिपेंडेंट रिसर्चर प्रीति महेश के अनुसार, प्रतिबंधित एसयूपी के जब तक सस्ते विकल्प नहीं आएंगे, इनकी डिमांड बनी रहेगी। सड़क किनारे सामान बेचने वाले वेंडर प्रतिबंधित आइटमों का पूरा इस्तेमाल कर रहे हैं। सीएसई (सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट) के प्रोग्राम मैनेजर सिद्धार्थ घनश्याम सिंह ने बताया कि प्लास्टिक को लेकर जिस तरह के पैकेजिंग नियम हैं, उससे पूरे प्लास्टिक को खत्म कर पाना काफी मुश्किल है। प्लास्टिक को रिसाइकल करने के लिए यह सबसे बड़ी अड़चन है।

नॉर्वे से लेना चाहिए सबक

एक्सपर्ट के अनुसार, इन मामले में नॉर्वे ने मिसाल कायम की है। नॉर्वे में सरकार की तरफ से प्लास्टिक और पैकेजिंग पर कोई रोक नहीं है। अगर वहां इस तरह के प्रोडक्ट रिसाइकल नहीं होते तो कंपनियों को बहुत भारी भरकम टैक्स देना होता है। इससे बचने के लिए खुद ही कंपनियों ने प्लास्टिक पैकेजिंग स्टैंडर्ड तय कर लिए हैं। कंपनियों का ग्रुप है और जो उस ग्रुप का हिस्सा नहीं है, वह बड़ा टैक्स दे रहा है। इसलिए 99 प्रतिशत कंपनियां इस स्टैंडर्ड को अपना रही हैं और एक ही तरह का प्लास्टिक और कलर में पैकेजिंग तैयार हो रही है।

13000 से अधिक केमिकल्स

ग्रीनपीस की 2024 की एक रिपोर्ट में रिसाइकल प्लास्टिक के नुकसानदायक होने का दावा किया गया था। प्लास्टिक में 13000 से अधिक केमिकल होते हैं। इनमें से 3200 इंसानी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। अक्सर रिसाइकल प्लास्टिक में बहुत ज्यादा मात्रा में केमिकल होते हैं। प्लास्टिक कंटेनरों में भरे कीटनाशक, सफाई करने वाले सॉल्वैंट्स आदि पदार्थ रिसाइकल चेन में आने से प्लास्टिक को और नुकसानदेह बना सकते हैं। रिसाइकल में प्लास्टिक को गर्म करने की प्रक्रिया के दौरान हानिकारक केमिकल्स बढ़ते हैं। रिसाइकल करने वाले लोगों के लिए भी यह खतरा है।

प्लास्टिक से बाढ़ का खतरा: स्टडी

भारत समेत दुनिया भर के 218 करोड़ लोगों पर प्लास्टिक की वजह से बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है। यह वो प्लास्टिक है तो ऐसे ही फेंके जाने के कारण नालियों में जमा हो रहा है। टेअरफंड और पर्यावरण परामर्श संगठन रिसोर्स फ्यूचर की 2024 में आई रिपोर्ट के अनुसार इसकी वजह से लोगों को बार बार बाढ़ सहनी होगी। मुंबई की 2005 की बाढ़ की वजह भी रिपोर्ट में इसी प्लास्टिक को माना गया है। रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण, पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के साथ उप सहारा अफ्रीका में इस तरह की बाढ़ का सबसे अधिक खतरा है। यहां बुनियादी ढांचे का अभाव है। नालियों की साफ सफाई की व्यवस्था भी नहीं है। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित एशिया और अफ्रीका में रहने वाले लोग होंगे। टॉक्सिक लिंक की 2024 एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिबंधित एसयूपी के आइटम का इस्तेमाल राजधानी के 88 प्रतिशत स्टोर्स और मार्केट में हो रहा है। यह स्टडी पांच शहरों दिल्ली के अलावा बेंगलुरु, मुंबई, ग्वालियर और गुवाहाटी में की गई थी। इस बैन में बताया गया था कि इसका सबसे अधिक असर प्लास्टिक स्टिरर (चाय कॉफी में चीनी मिलाने के लिए इस्तेमाल आने वाली प्लास्टिक की डंडी) और आइसक्रीम स्टिक पर दिखाई दे रहा है।

1 दिन में 69 प्रतिशत भरा आईपीओ, ग्रे मार्केट में कंपनी की स्थिति बेहतर

नईदिल्ली, एजेंसी। इस समय वर्चुअल इंफोटेक आईपीओ ओपन है। कंपनी के आईपीओ का साइज 93.29 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 65.70 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। कंपनी का आईपीओ 9 मई को खुला था। और यह 14 मई तक खुला रहेगा। बता दें, ग्रे मार्केट में भी इस आईपीओ का प्रदर्शन शानदार है।

क्या है प्राइस बैंड और लॉट साइज- वर्चुअल गैलेक्सी इंफोटेक आईपीओ का प्राइस बैंड 135 रुपये से 142 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 1,35,000 रुपये का दांव लगाना होगा।

1 दिन में 69 प्रतिशत भरा आईपीओ- पहले दिन आईपीओ 69 प्रतिशत भर गया था। कंपनी के आईपीओ को रिटेल कैटगरी में 27 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के सेक्शन में आईपीओ 1.67 गुना सब्सक्राइब किया गया था। वहीं, एनआईआई कैटगरी में यह आईपीओ 39 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ। कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों से 26.13 करोड़ रुपये जुटाने में सफल रहा है। एंकर निवेशकों के लिए यह आईपीओ 8 मई को खुला था।

ग्रे मार्केट में स्थिति बेहतर -इंवेस्टर्सगेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी की स्थिति काफी मजबूत है। ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 17 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जोकि आईपीओ ओपन होने के बाद का सबसे अधिक जीएमपी है। इस आईपीओ का सबसे कम जीएमपी 6 रुपये रहा है। ग्रे मार्केट में इस स्थिति पर आईपीओ 8 मई को ट्रेड कर रहा था।

आम आदमी को भारत-पाक युद्ध में चुकानी पड़ी भारी कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। सन् 1971 में भारत ने कई मोर्चों पर एक साथ पाकिस्तान को धूल चटाई थी। बांग्लादेश आजाद हुआ था और पाकिस्तान के दो टुकड़े हो गए थे। आजादी के बाद भारत के सैन्य इतिहास की यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। मगर शौर्य की यह यशगाथा जिनको याद है, उन्हें यह भी याद होगा कि उसी दौरान भारत सरकार ने एक शरणार्थी शुल्क लगाने का एलान किया था, जिसे 'बांग्लादेश सरचार्ज' या 'बांग्लादेश टैक्स' के नाम से जाना जाता है। इसे बांग्लादेशी शरणार्थियों के देश में आने के कारण लगाया गया था और करीब-करीब हर चीज पर लगा था। अनुमान था कि कुछ समय बाद यह खत्म हो जाएगा, मगर ऐसा हुआ नहीं। उसके करीब चार दशक बाद 2014 में मुंबई हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका आई, जिसमें पूछा गया कि बांग्लादेश की लड़ाई के इतने साल बाद भी महाराष्ट्र की सरकारी बसों में हर टिकट पर 15 पैसे का बांग्लादेश चार्ज क्यों वसूला जा रहा है पता चला कि राज्य की परिवहन एजेंसियां तब तक इस मद में 440 करोड़ रुपये जमा कर चुकी थीं। इस रकम का क्या करना है, उनको पता नहीं था और वे इसका इस्तेमाल अपने कर्मचारियों का वेतन बांटने या दूसरे खर्चों पर कर रही थीं। याचिका का क्या हुआ, इसकी खबर नहीं मिल पाई है। मगर इससे समझा जा सकता है कि अगर देश के सारे हिस्सों में इस तरह जमा हुई रकम का ही हिसाब जोड़ा जाए, तो उस युद्ध में भारत की जनता के कई हजार-करोड़ रुपये की यह सीधी आहुति थी।

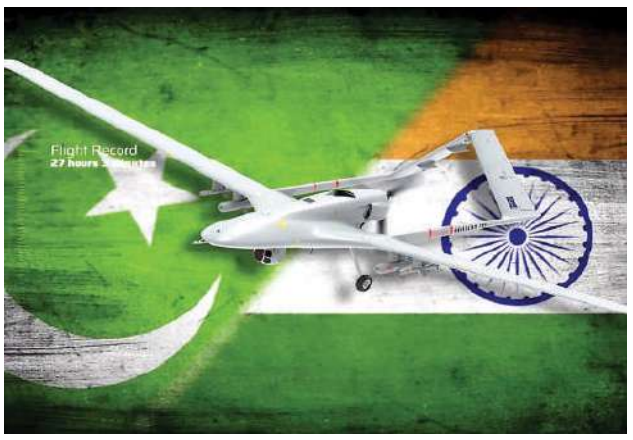

जेल की रोटी का खर्च भी युद्ध के खाते में- उसी लड़ाई में दुनिया के इतिहास का सबसे बड़ा आत्मसमर्पण भी हुआ था। ढाका में पाकिस्तानी जनरल ए ए के नियाजी के साथ करीब 93,000 सैनिकों ने लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के सामने हथियार डाले थे। ये फौजी तब तक भारत की कैद में रहे और जेल की रोटी खाते रहे, जब तक 1972 में शिमला समझौते के बाद उन्हें वापस नहीं भेजा गया। इनका खर्च भी युद्ध के खाते में ही जुड़ता है। गोला-बारूद, विमान, युद्धपोत, मिसाइल, अब ड्रोन और ऐसी ही तमाम युद्ध सामग्रियों के अलावा सैनिकों व सेना के इंतजाम पर होने वाला खर्च हर लड़ाई में बढ़ता ही जा रहा है। इसका हिसाब देश के बजट में देखा जा सकता है। युद्ध में तबाह होने वाली इमारतों व संपत्ति का भी हिसाब जोड़ा जा सकता है और युद्ध के दौरान होने वाला खर्च भी। दोनों पक्षों में जिन लोगों की जान जाती है, उनका और उनके परिवारों का जो नुकसान होता है, उसका हिसाब किसी बजट में नहीं दिखेगा, सिर्फ महसूस किया जा सकता है। मगर युद्ध का असर आर्थिक मोर्चे पर लंबे समय तक महसूस किया जाता है, न सिर्फ उन देशों में, जिनके बीच युद्ध होता है, बल्कि बहुत दूर-दूर तक भी। जैसे अभी यूक्रेन-रूस की लड़ाई और इजरायल-हमास संघर्ष का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर साफ दिख रहा है।

पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर

वरिष्ठ पत्रकार आलोक जोशी हिन्दुस्तान के संपादकीय पेज पर अपने लेख में लिखते है कि भारत और पाकिस्तान के बीच जो दो बड़े युद्ध हुए हैं, उन दोनों का भी असर हुआ। 1965 की लड़ाई के पहले 1964 में भारत में महंगाई दर 13.36 प्रतिशत और पाकिस्तान में 4.18 प्रतिशत थी। युद्ध वाले साल में यह आंकड़ा भारत में गिरकर 9.47 प्रतिशत हुआ, जबकि पाकिस्तान में बढ़कर 5.57 प्रतिशत पहुंचा। युद्ध के बाद महंगाई बढ़ने लगी। 1966 में भारत में 10.88 प्रतिशत और पाकिस्तान में 7.23 प्रतिशत महंगाई दर हुई। 1967 में यह आंकड़ा भारत में 13.06 प्रतिशत और पाकिस्तान में 6.81 प्रतिशत पर पहुंचा। इसके बाद के साल में महंगाई तेजी से गिरी, जिसकी वजह शायद भारत में हरित क्रांति व आर्थिक नीतियों का असर था, जबकि पाकिस्तान में विदेशों से आने वाली मोटी रकम। दूसरी तरफ, भारत की जीडीपी ग्रोथ 1964 में 7.45 प्रतिशत से गिरकर 1965 में शून्य से भी 2.64 प्रतिशत नीचे चली गई और 1966 में यह कुछ कम ही हुई। यह उबरती है 1967 में। उधर जो पाकिस्तान 1965 में 10 प्रतिशत से ऊपर की रफ्तार से बढ़ रहा था, वह 1966 और 1967 में गिरकर क्रमशः 5.79 प्रतिशत और 5.4 प्रतिशत पर रह जाता है, यानी लगभग आधा।

कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका ने महिलाओं में जगाई उम्मीद की किरण

पहलगाम में पर्यटकों की नृशंस हत्या करने के बदले में भारत की पाकिस्तान पर स्ट्राइक की सफलता की जानकारी देने वाली भारतीय सुरक्षा बलों की दो महिला सैन्य अधिकारियों ने देश में महिलाओं के विपरीत हालात के बीच महिला सशिक्तकरण का सशक्त उदाहरण पेश किया है। देश भर में चर्चित लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया क़ुरैशी और वायु सेना में विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने साबित कर दिया कि महिलाएं अदम्य साहस के साथ किसी भी चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। निश्चित तौर पर युद्ध जैसी स्थिति के दौरान इन दोनों सैन्य अधिकारियों ने जिस शानदार तरीके से स्ट्राइक का विवरण पेश किया, उससे न सिर्फ महिलाओं में उत्साह का संचार होगा बल्कि हर मुश्किल हालात से निपटने के लिए साहस का उद्गम होगा।

पुणे में साल 2016 में आसियान प्लस देशों का बहुराष्ट्रीय फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास फोर्स 18 में 40 सैनिकों की भारतीय सेना की टुकड़ी का नेतृत्व सिग्नल कोर की महिला अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया क़ुरैशी ने किया था। कुरैशी को बहुराष्ट्रीय अभ्यास में भारतीय सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी बनने का दुर्लभ गौरव हासिल हुआ। गुजरात निवासी सैन्य परिवार से आने वाली सोफिया क़ुरैशी साल 1999 में 17 साल की उम्र में शॉर्ट सर्विस कमीशन के ज़रिए भारतीय सेना में आई थीं। उन्होंने छह साल तक संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना में भी काम किया। इसमें साल 2006 में कॉन्गो में एक उल्लेखनीय कार्यकाल शामिल है। उस वक्त उनकी प्रमुख भूमिका शांति अभियान में ट्रेनिंग संबंधित योगदान देने की थी। सोफिया कुरेशी के अलावा ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी की ब्रीफिंग देने वाली विंग कमांडर व्योमिका सिंह दूसरी चर्चित अधिकारी थीं। व्योमिका सिंह भारतीय वायु सेना में हेलीकॉप्टर पायलट हैं। उनके नाम का मतलब ही आसमान से जोडने़ वाला है। नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की कैडेट रही व्योमिका सिंह ने इंजीनियरिंग की। उन्हें साल 2019 में भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग ब्रांच में पायलट के तौर पर परमानेंट कमीशन मिला। व्योमिका सिंह ने 2500 घंटों से ज्यादा उड़ान भरी है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर भारत में मुश्किल हालात में चेतक और चीता जैसे हेलीकॉप्टर उड़ाए हैं। उन्होंने कई बचाव अभियान में भी अहम भूमिका निभाई है। इनमें से एक ऑपरेशन अरुणाचल प्रदेश में नवंबर 2020 हुआ था। इन दोनों महिला सैन्य अधिकारियों ने जिस आत्मविश्वास और दृढ़ता से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की गाथा पेश कि वह न सिर्फ देशवासियों के दिल-दिमाग में अमिट रहेगी बल्कि तमाम बाधाओं के बावजूद महिलाओं में आगे बढने़ की ललक कायम रखेगी। इनके जज्बे ने साबित कर दिया कि महिलाऐ देश में हर क्षेत्र में तरक्की का परचम लहरा रही हैं, चाहे वह क्षेत्र सैन्य जैसा चुनौतीपूर्ण और साहसिक क्षेत्र ही क्यों न हो। देश में महिला सशिक्तकरण की दिशा में इन दोनों महिलाओं का प्रदर्शन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। महिलाओं के सपने पूरा करने में मदद करेगा। देश के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं का अग्रणी प्रदर्शन विकसित बनने की दिशा में अग्रसर भारत की नई तस्वीर पेश करता है। सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह जैसी देश का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलओं की सफलता की प्रेरणा के बावजूद देश की आम महिलाओं के लिए अभी भी मंजिल आसान नहीं हैं। भारत में पितृसत्तात्मक मानसिकता और लैंगिक असमानता के चलते महिलाओं को विरोधाभासी भूमिकाएँ निभाने के लिए मजबूर किया जाता है। महिलाओं की ताकत को यह सुनिश्चित करने के लिए उभारा जाता है कि वे बेटियों, माताओं, पत्नियों और बहू के रूप में पालन-पोषण करने वाली अपनी पारंपरिक भूमिकाएँ प्रभावी ढंग से निभाएँ। दूसरी ओर, एक ÷कमज़ोर और असहाय महिला÷ की रूढ़िवादिता को बढ़ावा दिया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपने पुरुष समकक्ष पर पूरी तरह से निर्भर हैं।

भारत में लैंगिक असमानता महिलाओं की वर्तमान स्थिति प्रगति और चल रही चुनौतियों के जटिल अंतर्संबंध से जुड़ी है। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की गई हैं। हालाँकि, गहराई से जड़ जमाए हुए सामाजिक मानदंड, आर्थिक असमानताएँ और राजनीतिक चुनौतियाँ यह दर्शाती हैं कि भारत में लैंगिक असमानता अभी भी मौजूद है। विडंबना यह है कि हमारे भारतीय समाज में जहाँ महिलाओं को देवी के रूप में पूजा जाता है, महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है और उन्हें समान अवसर से वंचित रखा जाता है।

भारत में लैंगिक असमानता अंतर रिपोर्ट, 2023 के अनुसार, लिंग समानता के मामले में भारत 146 देशों में से 127वें स्थान पर है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5, 2019-21) के अनुसार, भारत में कुल लिंग अनुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 1020 महिलाएँ हैं। हालाँकि, जन्म के समय लिंग अनुपात 929 पर कम बना हुआ है, जो जन्म के समय लिंग चयन जारी रहने का संकेत देता है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल मातृ मृत्यु दर रिपोर्ट (एमएमआर) के अनुसार, 2018-20 की अवधि के लिए भारत की एमएमआर 97 प्रति लाख जीवित जन्म है। एनएफएचएस-5 के अनुसार 15-49 वर्ष की आयु की 18.7 प्रतिशत महिलाएँ कम वजन की हैं। 15-49 वर्ष की आयु की 21.2 प्रतिशत महिलाएँ अविकसित हैं और 15-49 वर्ष की आयु की लगभग 53 प्रतिशत महिलाएँ एनीमिया से पीड़ित हैं। इसी रिपोर्ट के अनुसार 20-24 वर्ष की आयु की 23.3 प्रतिशत महिलाएं 18 वर्ष की आयु से पहले विवाहित या विवाहित थीं। एनएफएचएस-5 (2019-21) की रिपोर्ट के अनुसार, पुरुषों की साक्षरता दर 84.7 प्रतिशत की तुलना में महिलाओं की साक्षरता दर 70.3 प्रतिशत है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो की लिंग आधारित हिंसा ÷भारत में अपराध÷ 2021 की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ अपराध के 4 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए। भारत में लिंगों के बीच वेतन अंतर दुनिया में सबसे ज़्यादा है। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2021 के अनुसार, भारत में महिलाओं को औसतन पुरुषों की तुलना में 21 प्रतिशत वेतन मिलता है। पीएलएफएस रिपोर्ट के अनुसार 2021-22 में कामकाजी आयु (15 वर्ष और उससे अधिक) की केवल 32.8 प्रतिशत महिलाएं ही श्रम बल में थीं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार भारत में महिलाओं का 81.8 प्रतिशत रोजगार अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में केंद्रित है। यह दर्शाता है कि भारत में अधिकांश महिला श्रमिक उच्च वेतन वाली नौकरियों में नहीं आ पाती हैं। भारत के चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2023 तक राज्य विधानसभाओं में कुल औसत महिला प्रतिनिधित्व सिर्फ 13.9 प्रतिशत है। अप्रैल 2023 के पंचायती राज मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पंचायतों में निर्वाचित प्रतिनिधियों में लगभग 46.94 प्रतिशत महिलाएँ हैं। हालाँकि सरपंच-पति संस्कृति के प्रचलन का मतलब है कि यह आँकड़ा प्रभावी रूप से बहुत कम है। यह निश्चित है कि महिलाओं के उत्थान संबंधी आंकड़े कोई उत्साहवर्द्धक तस्वीर पेश नहीं करते हैं, किन्तु सैन्य अधिकारी सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह जैसी महिलाओं की लिखी सफलता की नई इबारत मौजूदा हालात के बीच तरक्की से वंचित महिलाओं के लिए एक उम्मीद की किरण है।

घर की बेकार चीजों से बनाएं वार्डरोब आर्गेनाइजर

हम सभी के घर में अलमारियां जरूर होती हैं। जिनमें हम कपड़ों से लेकर अपनी जरूरत का अन्य सामान रखते हैं। इन वार्डरोब की वजह से घर अधिक व्यवस्थित लगता है, क्योंकि ज्यादातर सामान वार्डरोब में रखा होता है। लेकिन अगर आपने कभी गौर किया हो तो इन वार्डरोब में जल्दी ही सामान बिखर जाता है और फिर इन्हें रि-अरेंज करने के लिए आपको काफी समय बर्बाद करना पड़ता है। ऐसे में आपके समय की बचत करने और वार्डरोब को व्यवस्थित रखने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप

वार्डरोब आर्गेनाइजर की मदद लें

यूं तो आपको मार्केट में भी कई तरह के वार्डरोब आर्गेनाइजर आसानी से मिल जाएंगे। लेकिन वास्तव में ये काफी महंगे होते हैं। ऐसे में आप इन्हें घर पर ही तैयार करें। आपको शायद पता ना हो, लेकिन आप घर की पुरानी व बेकार आइटम्स का इस्तेमाल करके भी आसानी से वार्डरोब आर्गेनाइजर तैयार कर सकती हैं।

कार्डबोर्ड से बनाएं शेल्फ डिवाइडर

अगर आपके पास घर में पुराने कार्डबोर्ड रखे हैं तो आप उनकी मदद से भी शेल्फ डिवाइडर बना सकते हैं। इसके लिए आप सबसे हपेल अपनी अलमारी की ऊंचाई, चौड़ाई और गहराई को मापें। अब आप शेल्फ माप के अनुसार कार्डबोर्ड को टुकड़ों में काटें। आपको एक बैक पीस, साइड पीसेस और हॉरिजोन्टल डिवाइडर की जरूरत होगी। आप साइड के टुकड़ों को बैक के पीस पर ग्लू करें। अब आप हॉरिजोन्टल डिवाइडर को भी जोड़ें। अब आप चाहें तो एक डेकोरेटिव पेपर या कपड़े की मदद से कार्डबोर्ड को कवर करें। आप अपने वार्डरोब में सामान को आर्गेनाइज तरीके से रखने के लिए तैयार डिवाइडर का इस्तेमाल करें।

प्लास्टिक बोतल से बनाएं आर्गेनाइजर

अक्सर हम प्लास्टिक की बोतल को बेकार समझकर यूं ही फेंक देते हैं, जबकि इन्हें भी बतौर वार्डरोब आर्गेनाइजर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आप पहले बोतलों को अच्छी तरह क्लीन करें और फिर उन्हें आधे में काटें। अब एक एक बॉक्स या ट्रे में कट की हुई बोतलों को अरेंज करें। आप ग्लू की मदद से इन्हें अच्छी तरह सिक्योर करें। आप चाहें तो इन बोतलों को पेंट कर सकते हैं या फिर सजाया जा सकता है। आप इसे अपने वार्डरोब की किसी शेल्फ में रख सकती हैं। छोटी-छोटी आइटम्स को रखने के लिए यह एक बेहतरीन आर्गेनाइजर साबित हो सकता है।

बेकार कपड़ों से बनाएं आर्गेनाइजर

अगर आपके पास घर में पुरानी टी-शर्ट या फैब्रिक स्क्रैप है तो आप उन्हें भी बतौर वार्डरोब आर्गेनाइजर इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आप अपने डिजाइन के अनुसार कपड़े को स्ट्रिप्स या बड़े टुकड़ों में काटें। अब आप इनसे पॉकेट बनाने के लिए कपड़े को सिल लें या फिर ग्लू की मदद से भी इन्हें चिपकाया जा सकता है। आप इन्हें एक स्ट्रक्चर देने के लिए कार्डबोर्ड या प्लास्टिक बेस का इस्तेमाल करें। इसके अलावा, सिर्फ कपड़े की मदद से भी कई पॉकेट वाले आर्गेनाइजर को तैयार किया जा सकात है। आप तैयार आर्गेनाइजर को अपने वार्डरोब डोर के अंदर अटैच करें या फिर इसे एक रॉड की मदद से हैंग करें।

अपने किसी खास के लिए ऐसे करें यूनिक बर्थडे सरप्राइज पार्टी की प्लानिंग

बर्थडे सेलिब्रेट करने के कई तरीके होते हैं। कुछ लोग अपने परिवार वालों के साथ बर्थडे सेलिब्रेट करना पसंद करते हैं तो वहीं कुछ लोग अपने दोस्तों के साथ। अगर आपके किसी खास और क्लोज व्यक्ति का जन्मदिन आने वाला है तो आप उसके लिए एक सरप्राइज पार्टी को प्लान कर सकती हैं। इससे उन्हें बहुत स्पेशल महसूस होगा लेकिन आप किसी तरह से सरप्राइज पार्टी को प्लान कर सकती हैं

बर्थडे सेलिब्रेट करने के कई तरीके होते हैं। कुछ लोग अपने परिवार वालों के साथ बर्थडे सेलिब्रेट करना पसंद करते हैं तो वहीं कुछ लोग अपने दोस्तों के साथ। अगर आपके किसी खास और क्लोज व्यक्ति का जन्मदिन आने वाला है तो आप उसके लिए एक सरप्राइज पार्टी को प्लान कर सकती हैं। इससे उन्हें बहुत स्पेशल महसूस होगा लेकिन आप किसी तरह से सरप्राइज पार्टी को प्लान कर सकती हैं

डेकोरेशन का रखें ध्यान

अगर आप किसी खास रेस्टोरेंट या फिर कैफे में बर्थडे सेलिब्रेट करने जा रही हैं तो आप यह भी ध्यान रखें कि आप कैसे उस जगह को डेकोरेट करवाएंगी। इसके अलावा आप अगर घर पर सरप्राइज पार्टी रखना चाहती हैं तो आप घर पर कई तरह से डेकोरेट कर सकती हैं। इसके लिए आप एक थीम को सेलेक्ट करके घर को सजा सकती हैं और सरप्राइज पार्टी को प्लान कर सकती हैं। ध्यान रखें कि यह एक सरप्राइज पार्टी है तो उनके लिए कई सारे नोट्स लिखकर उनकी कार में, डेस्क पर या फिर उनके कपड़ों के बीच रखकर छिपा सकती है और उसमें उनके लिए कुछ स्पेशल लिख सकती हैं। इससे उन्हें बहुत खास महसूस होगा और इसके साथ-साथ आपको घर को तभी डेकोरेट करना होगा जब वह घर पर ना मौजूद हों।

ऐसे बनेगा बर्थडे स्पेशल

आप सरप्राइज पार्टी करने के लिए अपने खास के लिए बर्थडे केक खुद से बना सकती हैं। इसके साथ-साथ आप उनके लिए कुछ स्पेशल मैसेज भी इस केक पर लिख सकती हैं। आप बर्थडे पर उनके खास दोस्तों को उन्हें बिना बताए ही इनवाइट कर सकती हैं क्योंकि जब सरप्राईज पार्टी होगी तो वह अपने खास दोस्तों से मिलकर बहुत खुश हो जाएंगे। इसके अलावा आप सरप्राइज डिनर को भी होस्ट कर सकती हैं और उनके साथ कहीं बाहर भी घूमने जा सकती हैं। इस तरह का सरप्राइज उन्हें बेहद पसंद भी आएगा।

प्राइवेट मूवी स्क्रीनिंग

आप सरप्राइज पार्टी के लिए उनके लिए सिनेमा हॉल में प्राइवेट मूवी स्क्रीनिंग करवा सकती हैं। इससे उनका जन्मदिन बहुत स्पेशल हो जाएगा और उनके लिए यह बर्थडे यादगार बन जाएगा। आपको बता दें कि कई सारे सिनेमा हॉल में प्राइवेट मूवी स्क्रीनिंग होती है और आप बुकिंग भी इसके लिए पहले से करवा सकती हैं। यह सरप्राइज उनके लिए बेहद खास हो सकता है। आप मूवी के बाद उनके साथ डिनर पर भी जा सकती हैं।

बर्थडे पर इस बार करें कुछ अलग और खास

जन्मदिन का नाम आते ही मन में सेलिब्रेशन और पार्टी का ख्याल आता है। इतना ही नहीं, अगर कोई आपको विश भी करता है तो विश करने के बाद उसका सवाल यही होता है कि पार्टी कहां दे रहे हो। जन्मदिन को सेलिब्रेट करने का आसान तरीका है पार्टी करना। इसमें आप अपने सभी दोस्तों व करीबियों को बुलाकर उनके साथ कुछ अच्छे पल बिता सकती हैं, लेकिन इसमें काफी खर्चा भी हो जाता है। इतना ही नहीं, बर्थडे पार्टी करते समय आपके मन में कहीं न कहीं एक प्रेशर भी होता है कि आपकी पार्टी भी दूसरों की तरह शानदार ही हो। कई बार तो जन्मदिन के दिन पार्टी करने के चक्कर में आपका पूरा दिन काम में निकल जाता है और दिन के अंत में आपको थकान के सिवा कुछ नहीं मिलता। इस तरह आप चाहकर भी जन्मदिन को अपने तरीके से नहीं मना पातीं। तो चलिए आज हम आपको ऐसे कुछ तरीके बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप अपने बर्थडे को खुलकर इन्जाय कर पाएंगे-

घूमें मनपसंद जगह पर

अगर आप इस बर्थडे कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहती हैं तो पार्टी करने की जगह उन पैसों से उन जगहों पर घूमने जाएं, जहां पर आप हमेशा से जाना चाहती थी। नई जगहें आपको बहुत कुछ नया सिखाती हैं। इतना ही नहीं, इससे आपके मन को एक अजीब सा सुकून व खुशी मिलती है। तो फिर देर किस बात की, बस अपना बैग पैक करें और निकल जाएं एक ट्रिप पर।

करें कुछ एडवेंचर्स

इस बर्थडे पूरा दिन काम करने की बजाय आप कुछ एडवेंचर्स कर सकती हैं। आप म्यूजियम जाने से लेकर एनिमल शेल्टर किसी भी ऐसी जगह पर जा सकती हैं, जहां पर जाकर आपको अच्छा लगता हो। इसके अलावा आप अपने शहर के आसपास नई जगहों पर घूम सकती हैं या फिर अपने ही शहर में उन जगहों पर जाएं, जहां पर आप अब तक टाइम न होने के कारण नहीं जा पाई हैं। वैसे आप बर्थडे पर कैंपिंग से लेकर बंजी जंपिंग व अन्य कई तरह की एडवेंचर्स एक्टिविटीज भी कर सकती हैं।

फैमिली टाइम

आज के समय में काम में बिजी होने के कारण पूरे परिवार को एक साथ वक्त बिताने का मौका ही नहीं मिलता। ऐसे में आप अपने बर्थडे पर पूरी फैमिली के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकती हैं। चूंकि यह आपका बर्थडे है तो यकीनन परिवार का कोई सदस्य मना भी नहीं करेगा। सब लोग एक जगह मिलें और साथ मिलकर खूब मस्ती करें। आप कुछ अच्छा पकाएं, बोर्ड गेम्स खेलें और पुराने अच्छे दिनों को याद करें।

खुद को पैम्पर

बर्थडे आपका है तो क्यों न इस बार आप खुद को पैम्पर करें। वैसे तो आप पूरा साल सिर्फ और सिर्फ काम में ही बिजी रहती हैं। लेकिन एक दिन तो आप खुद को स्पेशल फील करवा सकती हैं। इसके लिए आप पार्लर जाकर हेयरस्पा से लेकर पेडीक्योर तक कई चीजें करवा सकती हैं।

टेस्ट क्रिकेट से सन्यास पर बीसीसीआई ने लिखा-

थैंक्यू विराट, एक युग का अंत, विरासत जारी रहेगी

बेस्ट फ्रेंड डिविलियर्स बोले- सच्चा लीजेंड

नईदिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। कोहली ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर लिखा- टेस्ट क्रिकेट ने मेरी परीक्षा ली, मुझे आकार दिया, वो पाठ सिखाए जो जिंदगीभर मुझे याद रहेंगे। कोहली ने 10 मई को बीसीसीआई से कहा था कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहता हूं। बोर्ड ने कोहली को अपने फैसले पर फिर विचार करने को कहा था। 11 मई को बोर्ड के एक अधिकारी ने उनसे बात भी की थी। दिसंबर/जनवरी में ऑस्ट्रेलिया में हुई बॉर्डर- गावस्कर सीरीज में विराट का प्रदर्शन बेहतर नहीं था। उन्होंने इस सीरीज में 23.75 की औसत से रन बनाए थे। वहीं 8 में से 7 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर आउट हुए। बीजीटी में कोहली ने 9 पारियों में 190 रन बनाए। इनमें एक शतक शामिल था। विराट कोहली ने 123 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक बनाए। विराट ने 7 दोहरे शतक लगाए। 2017 और 2018 में वे टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए।

टेस्ट क्रिकेट में एक युग समाप्त -बीसीसीआई

बीसीसीआई ने विराट कोहली को थैंक यू कहा। बोर्ड ने लिखा – टेस्ट क्रिकेट में एक युग समाप्त हो गया है, लेकिन विरासत जारी रहेगी। उन्होंने टीम इंडिया के लिए जो योगदान किया, उसे हमेशा याद किया जाएगा।

घर में बनाए सबसे ज्यादा टेस्ट शतक

कोहली ने टेस्ट में 30 शतक बनाए हैं। इसमें से सबसे ज्यादा 14 शतक भारत में बनाए हैं। न्यूजीलैंड में उन्होंने केवल एक शतक जड़ा है।

कोहली ने लिखा– टेस्ट ने मेरी परीक्षा ली, जिंदगी के सबक सिखाए

विराट ने लिखा, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार मैंने बैगी ब्लू जर्सी 14 साल पहले पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह फॉरमेट मुझे इस तरह के सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे पहचान दी और मुझे ऐसे सबक सिखाए, जिन्हें मैं जीवन भर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना मेरे लिए बहुत ही खास और निजी अनुभव है। परिश्रम, लंबे दिन, छोटे-छोटे पल जिन्हें कोई नहीं देखता, लेकिन यह हमेशा आपके साथ रहते हैं। जब मैं इस फॉरमेट से दूर जा रहा हूं, तो यह आसान नहीं है, लेकिन यह फिलहाल सही लगता है। मैंने इसमें अपना सबकुछ दिया है और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा दिया है। मैं खेल के लिए, मैदान पर खेलने वाले लोगों के लिए और हर उस व्यक्ति के लिए आभारी हूं, जिसने मुझे इस सफर में आगे बढ़ाया। मैं हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कुराते हुए देखूंगा। उन्होंने आगे अपनी जर्सी का नंबर '269' लिखा और लिखा 'साइनिंग ऑफ'।

विराट टेस्ट में धोनी-रोहित से आगे, सभी घरेलू सीरीज जीतीं

विराट कोहली ने कभी कप्तान के तौर पर द्वष्टष्ट टूर्नामेंट नहीं जीता। टेस्ट क्रिकेट में बतौर लीडर वे धोनी और रोहित दोनों से आगे हैं। कोहली ने घर में सभी 11 सीरीज जीतीं धोनी और रोहित दोनों की कप्तानी में भारत को घर में टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी। रोहित की कप्तानी में तो न्यूजीलैंड से क्लीन स्वीप भी शामिल है।कोहली ने 2015 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली बार घरेलू मैदान पर कप्तानी की थी। भारत ने 4 टेस्ट की सीरीज 3-0 से जीती। इसके बद कोहली की कप्तानी में टीम ने घर सभी टेस्ट सीरीज जीतीं।

बेस्ट फ्रेंड डिविलियर्स बोले- सच्चा लीजेंड

साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने विराट कोहली को संन्यास लेने पर सच्चा लीजेंड बताया। एबीडी ने कहा कि कोहली की स्किल्स ने हमेशा प्रेरणा दी है। उन्होंने प्यार से कोहली को बिसकोटी कहा। इस इटैलियन शब्द का मतलब बिस्कुट होता है।

किंग्सटन से सिडनी तक... 14 सालों में विराट कोहली ने तहलका मचा दिया, दिग्गजों के रिकॉर्ड हुए चकनाचूर

भारत के चैंपियन बल्लेबाज विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही टी20 के दौर में भी पारंपरिक क्रिकेट के संकटमोचक क्रिकेटरों में शुमार इस महान खिलाड़ी के इस प्रारूप में सुनहरे दौर पर विराम लग गया। 36 साल के कोहली ने टी20 विश्व कप जीतने के बाद पिछले साल उस फॉर्मेट को भी छोड़ दिया था। अब तक भारतीय टीम के लिए सिर्फ वनडे क्रिकेट में ही मैदान पर नजर आएंगे।

- **विराट कोहली का टेस्ट करियर** – विराट कोहली ने भारत के लिए 2008 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। लेकिन पहला टेस्ट खेलने के लिए उन्हें तीन साल का इंतजार करना पड़ा। 2011 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय टीम वेस्टइंडीज दौरे पर गई थी। जमैका स्थित किंग्सटन के सबीना पार्क के मैदान पर उनका डेब्यू हुआ। पहली पारी में उन्होंने चार और दूसरी में 15 रन बनाए। विराट का पहला अर्धशतक उसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ ही वानखेड़े के मैदान पर आया। 2012 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहले दो टेस्ट में फेल होने के बाद विराट ने तीसरे में 75 रनों की पारी खेली। एडिलेड में हुए आखिरी टेस्ट में भारत को हार मिली लेकिन 116 रनों की पारी खेलकर विराट छा गए। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। भारत के लिए 123 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 46.85 के औसत से 30 शतकों की मदद से 9230 रन बनाए हैं।
- **भारत के लिए सबसे ज्यादा दोहरा शतक** – दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सात दोहरे शतकों के साथ इस प्रारूप के दिग्गज के रूप में अपनी पहचान बनाई जो किसी भारतीय खिलाड़ी के लिए सबसे अधिक है। वह महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर (4), सचिन तेंदुलकर (6), वीरेंद्र सहवाग (6) और राहुल द्रविड़ (5) से काफी आगे है। इसके साथ ही विराट भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट जीतने वाले कप्तान भी हैं। उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने 40 टेस्ट जीते। दूसरे नंबर पर काबिज महेंद्र सिंह धोनी के नाम 27 जीत है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र की शुरुआत जून में हो रही है।

5 दिन के अंदर कोहली-रोहित का टेस्ट से संन्यास

9 खिलाड़ी जगह लेने को तैयार; विराट को रिप्लेस करने के लिए श्रेयस नंबर-1 दावेदार

नईदिल्ली (एजेंसी)। पांच दिन के भीतर भारत के दो सुपर स्टार क्रिकेटर विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। अब टीम में रवींद्र जडेजा को छोड़कर कोई भी 60 से ज्यादा टेस्ट खेलने वाला सीनियर प्लेयर नहीं बचा है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि प्लेइंग-11 में रोहित और विराट की जगह कौन लेगा?

यह ले सकते हैं कोहली की जगह?

विराट कोहली ने आज अपने इंस्टा हैंडल पर टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया। वे टीम में नंबर-4 पर बैटिंग करते हैं और स्क्वॉड के सबसे अनुभवी मेंबर हैं। उनके जाने से टीम में मिडिल ऑर्डर के अनुभवी और मजबूत बैटर का बहुत बड़ा गैप बनेगा। जिसे भरने के लिए भी 5 दावेदार मौजूद हैं।

- **श्रेयस अय्यर** – भारत से तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके श्रेयस टेस्ट में कोहली को रिप्लेस करने के नंबर-1 दावेदार हैं। वे वनडे टीम में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं, लेकिन टेस्ट में खराब प्रदर्शन के कारण फिलहाल बाहर हैं। वे 14 टेस्ट में 1 शतक और 5 फिफ्टी लगा चुके हैं। श्रेयस के नाम 15 फर्स्ट क्लास शतक भी हैं।
- **रजत पाटीदार** – इंग्लैंड के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में पाटीदार ने ही कोहली को रिप्लेस किया था। तब विराट निजी कारणों से सीरीज नहीं खेल सके थे। हालांकि, पाटीदार 3 मैचों में एक भी फिफ्टी नहीं लगा सके। घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन को देखते हुए वे इंग्लैंड सीरीज के लिए एक बार फिर स्क्वॉड में जगह बना सकते हैं। रजत के नाम 13 फर्स्ट क्लास सेंचुरी हैं।
- **सरफराज खान** – भारत के लिए पिछले साल ही टेस्ट डेब्यू करने वाले सरफराज 1 शतक और 3 फिफ्टी लगा चुके हैं। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें एक भी मैच में मौका नहीं मिला। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सरफराज का औसत 65.61 का है।

भगवान बुद्ध के आदर्शों का अनुसरण करने वाला एकमात्र देश है भारतः मुख्यमंत्री

● समता मूलक समाज,प्रेम,करुणा और सत्य की आधारशिला पर ही समाज की तरक्की संभव ● मुख्यमंत्री ने बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध को नमन कर अर्पित किए पुष्प

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान बुद्ध के जीवन से ज्ञान लेकर हम सारे भारतीय आगे बढ़ रहे हैं और विश्व बंधुत्व को अपनाते हुए प्रेम, करुणा, सत्य, समता के भाव को आगे बढा रहे हैं। भगवान बुद्ध राज-पाट छोड़कर जब ज्ञान की खोज मे निकले थे और कठिन तप के बाद जो ज्ञान विश्व को दिया, उसका अनुसरण ही हम सबका उद्देश्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समता मूलक समाज से हम उन्नति, विकास और सबके कल्याण के मार्ग प्रशस्त कर सकते है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के अशोक बुद्ध विहार में बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भारती बौद्ध महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी

को भगवान बुद्ध जयंती पर शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मप्र में सांची, बुद्ध धर्मावलंबियों के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। उनके लिए सांची आना सौभाग्य की बात है। बुद्ध सर्किट में सांची का प्रमुख स्थान है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय खगोल विज्ञान के अनुसार निर्धारित की गई तिथि, पूर्णिमा अपने आप में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में संत कंवरराम जी की प्रतिमा का किया अनावरण– मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संतो का जीवन और आदर्श हमेशा अनुकरणीय होते हैं। सूर्य स्वयं जलकर हम सबको प्रकाश देता है, उसी तरह संत भी स्वयं तप कर हम सबके जीवन को ज्ञान और आनंद से प्रकाशित करते हैं। संत कंवरराम जी भी ऐसे ही एक महान संत थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को उज्जैन की सिंधी कॉलोनी, अलखधाम नगर के सार्वजनिक उद्यान में संत कंवरराम जी की प्रतिमा के अनावरण समारोह में यह बात कही।

छत्तीसगढ़ में भीषण सड़क हादसा,13 की मौत

रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में रविवार देर रात मिनी ट्रक और ट्रेलर की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। 14 लोग घायल हुए हैं। ट्रक में सवार ये सभी लोग छठी के कार्यक्रम से लौट रहे थे। ट्रक खरोरा के बाना गांव से आ रहा था। बंगोली में इसे रायपुर से आ रहे ट्रेलर ने टक्कर मार दी। मृतकों में

10 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। इनमें एक ही परिवार की 3 महिलाओं का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया, जबकि एक बच्चे को दफनाया गया है। इनमें गीता साहू, प्रभा साहू और नंदनी साहू का अंतिम संस्कार किया गया। एकलव्य साहू (6) को दफनाया गया है। ट्रेलर झारखंड पासिंग है। टोल नाके से बचने के चक्कर में ड्राइवर ने दूसरा रास्ता पकड़ा और हादसा हो गया। हादसा इतना दर्दनाक था कि कई महिलाओं और बच्चों के शरीर के टुकड़े हो गए।

एल्विश यादव को इलाहाबाद हाईकोर्ट से लगा बड़ा झटका

● ड्रग्स और सांप के जहर के इस्तेमाल का चलेगा केस

प्रयागराज (एजेंसी)। यूट्यूबर एल्विश यादव को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने रेव पार्टी में ड्रग्स-सांप के जहर के इस्तेमाल के मामले में चार्जशीट रद्द करने की याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव ने कहा- यादव के खिलाफ चार्जशीट और एफआईआर में बयान हैं। ऐसे आरोपों की जांच मुकदमे के दौरान की जाएगी। एल्विश ने याचिका में एफआईआर को चुनौती नहीं दी है। आरोप है कि एल्विश रेव पार्टियों का आयोजन करते थे, जहां विदेशी नागरिक भी बुलाए जाते थे। लोगों को सांप का जहर और अन्य मादक पदार्थों का सेवन कराया जाता था। पुलिस ने

इस मामले में अप्रैल, 2024 में 1200 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें एल्विश का सपेरों से संबंध होने का दावा किया था। चार्जशीट के खिलाफ एल्विश ने 29 अप्रैल को हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

साधु, संत और श्रद्धालुओं की आस्था को सर्वोपरि रख करें सिंहस्थ के कार्य

सीएम बोले-सिंहस्थ-2028 के कार्यों की मॉनिटरिंग में करें आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल

आवागमन के लिए संपूर्ण मेला क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाकर किया जा रहा यातायात सुगम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 2028 की तैयारी में साधु-संत और श्रद्धालुओं की भावनाओं को सर्वोपरि रखकर कार्य योजना को पूर्ण किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिंहस्थ - 2028 के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन कलेक्टर कार्यालय सभागृह में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्य योजना की जानकारी लेकर कहा कि सभी कार्य समय-सीमा में गुणवत्ता और मापदंडों के अनुसार हो। सभी कार्यों में निर्माण एजेंसियां समन्वय बनाकर कार्य करें, जिससे श्रद्धालुओं को सिंहस्थ-2028 का अनुभव आस्थामय, भव्य और अलौकिक हो। सिंहस्थ निर्माण कार्यों में शहर के आसपास सड़कों का जाल बिछाकर यातायात सुगम किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए संपूर्ण मेला क्षेत्र की कनेक्टिविटी 4 लेन और 6 लेन मार्गों से की जा रही है। सिंहस्थ-2028 के लिए किए जा रहे आवश्यक मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों में सभी गणमान्य नागरिकों का भी विशेष ध्यान रखते हुए कार्य करें। आवश्यक मार्गों पर एलिवेटेड ब्रिज बनाए जाएंगे जिससे नीचे व्यापार प्रभावित ना हो और ट्रैफिक भी सुचारू रूप से चल सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि सभी सिंहस्थ कार्यों की मॉनिटरिंग आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल कर करें, जिससे कार्य की गुणवत्ता का आंकलन भी हो सके।

श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने मेडिकल टूरिज्म हब बनाया जाएगा– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए मेले में आर्मी भी मौजूद रहेगी। सभी मुख्य देव-स्थानों को जल्द ही देवलोक के रूप में विकसित करने की कार्य योजना बनाए। उज्जैन में न्यायपालिका द्वारा भी न्यायिक संस्था शुरू की जाएगी। उन्होंने इसके लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। मेडिसिटी मेडिकल कॉलेज निर्माण की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रध्दालुओं को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए जिले को मेडिकल टूरिज्म का हब बनाने के लिए योगा, वेलनेस, नेचुरोपैथी, एलोपैथी और आयुर्वेद के केंद्रों के साथ मेडिकल डिवाइस उद्योग, फार्मा कंपनियों और मेडिकल रिसर्च संस्थाओं को साथ लेकर एकीकृत कार्ययोजना तैयार करें। नगर निगम और अन्य संस्थाएं भी अपने मद से किए जाने वाले शहर के कार्य निरंतर करें।

त्याग ओर तपस्वियों की नगरी में उपाध्याय मुनि श्री 108 विरंजन सागर जी महाराज ससंघ का नगर आगमन

आशीष शर्मा

सनावदः–धर्म ओर वैराग्य के पथ पर त्यागियों की नगरी सनावद में निरन्तर साधुओं का आना निरन्तर जारी है समाज प्रवक्ता सन्मति जैन काका ने बताया की इसी क्रम में आज गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य उपाध्याय मुनि श्री विरंजनसागर जी महाराज ससंघ (4पिच्छी) का मंगल प्रवेश धर्मनगरी सनावद में गुरुवार को प्रातः 7:30 बजे सिद्धवरकूट की ओर से हुआ। समाजजनों ने मंगल अगवानी हेतु ओंकारेश्वर रोड रेल्वे गेट पर पहुंचकर अगवानी में सम्मिलित होकर धर्म प्रभावना में सहयोगी बने ।मुनिश्री सुपार्श्वनाथ मंदिर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा जी के दर्शन किए जहा महिला मंडल के द्वारा पाद प्रक्षालन कियागया।तत्पश्चात श्री शांति सागर वर्धमान देशना संत निलय में प्रातः 8:30 बजे से मुनि संघ की मंगल देशना हुई जिसमें सर्वप्रथम नरेन्द्र भारती के द्वारा मंगलाचरण की मंगला चरण कर के सभा का शुभारंभ किया तत्पश्चात राजेंद्र जैन महावीर के द्वारा मुनि श्री के जीवन पर प्रकाश

डाला गया। अगली कड़ी में मुनि श्री वीसौम्य सागर जी महाराज ने कहा की इस पावन धरा से अनेक संत निकल चुके हे इस नगर में निरंतर धर्म की बरसात होती रही है । ओर जहां निरन्तर बरसात होती हे वही से जीव निकलते हैं। हम निरंतर आत्मा को परमात्मा बनाने के लिए प्रयत्न शील है। इसी लिए हम संतो के चरणों में आ रहे हे। इसी क्रम में उपाध्याय मुनि श्री विरंजन सागर जी महाराज ने अपने उद्बबोधन में कहा की आज हम मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ के समवशरण के समकक्ष बैठे हे। जिनेंद्र भगवान की वाणी आत्म कल्याणी हे। जिनेंद्र भगवान की देशना एक एक शब्द हमारे अंतश मन को जगझोर देता हे। जब जब जिन देशना को श्रद्धा पूर्वक सुना हे जब जब निश्चित ही अंधकार से प्रकाश की ओर लें जाता हे जिनेंद्र भगवान की वाणी आत्म बोध करवाने वाली हे। हमारी असमयकत्व को सम्यकत्व की ओर ले जानी वाली हे क्योंकि जिन वचन बड़े पुण्य के योग से मिला करते हे। बिना पुण्य के योग से जिन वचन को नहीं सुन सकते । इस सनावद नगर की पावन भूमि से जिन अठारह अठारह साधुओं ने जन्म लिया वो भूमि कितनी पावन होगी आप सोच भी नहीं सकते हे इस भूमि ने आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज जैसे संत दिए हे धन्य हे आज हमारा भी इस धरा पर आना हुआ। निश्चित ही यहां की वर्गगड़ाए प्रशस्त हे । यहां की भूमि बहुत ही पावन हो गई हे यहां निरन्तर साधु संतों का आगमन होता रहता हे। इस अवसर पर मंच का संचालन प्रशांत चौधरी ने किया। प्रवचन तत्पश्चात पश्चात 9:30 बजे मुनि संघ की आहारचर्या संपन्न हुई। जिसमें आज मुनि संघ को आहार करवाने का सौभाग्य संतोष कुमार बाकलीवाल परिवार एवं पावन कुमार धनोते परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर रिंकेश जैन,राजू जैन,,नरेंद्र जैन काकू, अनुभव जैन,सरल जटाले,नितेश जैन रजत जैन,आशीष जैन राकेश जैन प्रफुल्ल जैन,राजकुमार जैन, खुशबु जैन रेखा जैन,आरती जैन, हीरामणी भूच, महिमा जैन, सरला जैन,सहित सभी समाजजन उपस्थित थे।

मंगल विहार- गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य उपाध्याय मुनि श्री विरंजनसागर जी महाराज ससंघ (4पिच्छी) का मंगल विहार धर्मनगरी सनावद से बेड़ियां की ओर हुआ। कल्की आहार चर्या बेड़ियां में संपन्न होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)